1 नया उजियारा

ङ. नत होना अर्थात विनम्र होना है। विनम्रता एक बहुत महत्वपूर्ण गुण है, जो व्यक्ति को समाज में स्थान दिलाता है। लोग दूसरों के बीच सम्मान पाते हैं और उनसे मदद भी प्राप्त करते हैं। हालाँकि, सब कुछ यानी शिक्षा, संपत्ति, संसाधन की वस्तु आदि विनम्रता से प्राप्त नहीं हो सकता है। इसके लिए परिश्रम और संसाधन की आवश्यकता है। अतः विनम्रता से बहुत कुछ प्राप्त किया जा सकता है, लेकिन यह जीवन की सभी चीजों का समाधान नहीं है।

लिखिए

1. सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाइए—

क. कैसा उजियारा लाने के लिए कहा जा रहा है? ✓ नया

ख. कौन अपना कण-कण महकाएगी? ✓ धरती

ग. प्राणी क्या उगलेगा? ✓ सोना

घ. क्या मिलकर जलाने के लिए कहा जा रहा है? ✓ दीप

समझिए व्याकरण संबोध

1. इन शब्दों के समानार्थक लिखिए—

प्रेम	— प्यार	सोना	— कनक/स्वर्ण	दीप	— दीया
मस्तक	— माथा	वसुधा	— धरती	आशीष	— आशीर्वाद

2. इनके दो-दो शब्द पाठ से चुनकर लिखिए—

र्‍	— हर्षित	गर्वित
ृ	— चरणामृत	अमृत
्र	— प्रेम	प्राणी

3. प्रत्येक पंक्ति से संज्ञा शब्द चुनकर लिखिए—

नया	वसुधा	होगा	अपना	— ''वसुधा''
आँचल	लहराएगी	सबकी	आओ	— ''आँचल''
इसका	छूकर	अमृत	धानी	— ''अमृत''
मिले	उसे	मस्तक	नत	— ''मस्तक''

पाठ- 1 नया उजियारा

कविता का मूलभाव -

प्रस्तुत कविता में कवि के द्वारा एकता, प्रेम, उत्साह प्रसन्नता जैसे जीवन - मूल्यो भाव से अवगत करवाया गया है।

श्रुतलेखन शब्द

1. नया	7 धानी	13 जीवनदाता
2. दीप	8 मस्तक	14 अमृत
3 उजियारा	9. दमका	15 माता
4. कण - कण	10 छूकर	
5 प्राणी	11 आँचल	
6. धरती	12. प्रेम - सुधा	

शब्दार्थ

1. उजियारा - उजाला	4. मस्तक - माथा
2. हर्षित - प्रसन्न	5 प्रेम - प्यार
3. धानी - केसरिया रंग	6 आशीष - आशीर्वाद

7) नत - झुकना

कुछ शब्दों में

प्र०1 कवि कैसा दीप जलाने के लिए कह रहा है?

उत्तर कवि प्रेम-सुधा के दीप जलाने के लिए कह रहा है।

प्र०2 अमृत किसे मिलता है?

उत्तर- अमृत उसे मिलता है जो विनम्र है।

प्र०3 किसे छूकर दमकाने के लिए कहा जा रहा है?

उत्तर धरती के कण-कण को छूकर दमकाने के लिए कहा जा रहा है।

कुछ वाक्यों में

प्र०1 प्रेम-सुधा का दीप जलाने से क्या होगा?

उत्तर- प्रेम-सुधा का दीप जलाने से चारों तरफ़ खुशियाँ होगी।

प्र०2 'वसुधा आँचल लहराएगी' का क्या अर्थ है?

उत्तर- 'वसुधा आँचल लहराएगी' का अर्थ है मनुष्य परिश्रम से खेती करेगा तब धरती पर चारों ओर हरियाली लहराएगी

PAGE No.
DATE

प्र० ३ प्राणी धरती को धानी कैसे करेगा?

उत्तर- प्राणी परिश्रम से फ़सलें उगाकर धरती को धानी यानी समृद्ध बना देगा।

प्र० ४ धानी धरती को माता और जीवनदाता क्यो कहा गया है?

उत्तर- धरती हमारा भरण-पोषण करती है जैसे अन्न, प्राकृतिक संसाधन तथा रहने की जगह देती है इसलिए धानी धरती को माता और जीवनदाता कहा गया है।